



पिछले चार वर्षों में झारखंड विधानसभा में तीन ऐतिहासिक विधायी कार्य हुए: स्पीकर

खबर मन्त्र ब्लूटॉन

रांची। झारखंड विधानसभा स्थापना की 23वीं वर्षगांठ पर समारोह आयोजित कार्यक्रम में स्पीकर रविंद्रनाथ मनोहर ने स्वागत भाषण दिया। श्री मनोहर ने कहा कि पिछले चार वर्षों में झारखंड विधानसभा में तीन ऐतिहासिक विधायी कार्य हुए हैं। इसके लिये विधानसभा को झारखंड के राजनीतिक इतिहास में लंबे समय तक याद किया जायेगा। झारखंड वासियों की अस्मिन्न विधेयक के प्रश्न को ध्यान में रखते हुए सदन के विधेयक विधायियों में स्थानीय व्याकुलों ने कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण कदम था। इधर पर सदन ने पश्च-विधेयक करने के लिए विधेयक 2022 राज्य गठन के उन मौलिक उद्देश्यों के पूर्ति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम थे। इनके लिए हमारे राज्य निर्माताओं ने राज्य गठन के अंदेशन में अपना



रक्त वहाया था। इन दोनों विधेयकों पर भी सदन में पश्च और विषय का अंतर मिट गया था। सभी सदयों की सहमति से ये विधेयक सदन में पारित हुये थे। अब तक वह विधेयक कानून का रूप नहीं ले पाया है। हालांकि स्पीकर ने उम्मीद जातायी कि निकट भविष्य में इन्हें कानून का रूप दिया जा सकेगा।

शहीद जवानों के परिजनों सहित अन्य भी सम्मानित
उत्कृष्ट विधायक वर्षियों के अलावा पुलिस और सेना के शहीद जवानों के परिजनों की भी सम्मानित किया गया। भैट्टक-इटर के टॉपरों, खिलाड़ियों और सपाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले भी सम्मानित हुए।

कारगर साबित होगा नियोजन कानून 2021

स्पीकर ने कहा कि विधायी हस्तक्षेप से जनकल्याण का सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण झारखंड के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन कानून 2021 है। इसके माध्यम से झारखंड में कार्यरत निजी सेवाओं में 75 प्रतिशत अरक्षण की व्यवस्था की गयी है। वह आरक्षण की व्यवस्था ने केवल नीवे के पदों के लिए है। बल्कि 40 हजार रुपये के मानदेय तक के लिए है। अब तक करीब 50 हजार युवाओं को इस कानून के तहत नौकरियां दी गयी हैं। नियित रूप से यह विधेयक झारखंड की तरीय बदलने में कारगर साबित होगा।

इन्हें किया गया सम्मानित

शहीद अमर कुमार, शहीद कुमार गोवर, सरीमा टेटे, खिलाड़ी, निकली प्रधान, खिलाड़ी, अफिला भाट - खिलाड़ी, शाशि शेखर - परवतराही, पंकज कुमार - परवतराही, चामी मुर्मु - महिला स्कॉलिकरण के लिये, छूटनी महोत्ते - सामाजिक कार्यकारी, आलोक वौधरी - विज्ञान संचार के लिये, आलोक दुर्वे - शिक्षा में जागरूकता के लिए, दसवी, इंटर और नीट के टॉपरों की भी सम्मान दिया गया। काशिं परवीन, दिव्या कुमारी, शृष्टि कुमारी, श्रीया सोनगिल, राजीव कुमारी शुभांगी, आराजा अग्रवाल, हमाशू रजन तिवारी, खुशबू कुमारी, अभय कुमार साहू सुमित बेरा, असद अली जाफरी।

संघीय व्यवस्था को मजबूत बनाने का लिया गया संकल्प



विगत 22 वर्षों में यह विधानसभा कई ऐतिहासिक पलों का गवाह बना है। भव्य विधानसभा भवन और परिसर हमें मिला है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को संवर्धित मान गया है। इसके प्रतीक संकलित प्रस्तुत सदन संवाद और त्रैमासिक पत्रिका उडान का किया गया विमोचन।

खबर मन्त्र ब्लूटॉन

रांची। उत्कृष्ट विधायक रामचंद्र सिंह ने स्पीकर रविंद्र नाथ महोदो सहित सभी अंतिष्ठियों का आभार जताया। मौके पर उत्कृष्ट विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि मनिका के समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सोंपाम स्पीकर ने उड़े सदन में काकों सहयोग किया गया। इसके बाद नेता प्रतिष्ठ अमर कुमार बाउरी ने कहा कि हमारा झारखंड 23 साल का हो चुका है। ऐसे में कहने के लिए बहुत कुछ है।

खबर | एक नजर में

राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती से मिले आदित्य विक्रम

रांची। झारखंड प्रदेश प्रौदेशनल कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आदित्य विक्रम जारी समाज बुधवार को नवी दिल्ली के 24 अक्टूबर रोड रिटर्न कार्यपाल मुख्यालय और इंडिया प्रौदेशनल कांग्रेस के नवीनियुक्त राष्ट्रीय चेहरे मैरें प्रवीण चक्रवर्ती से मिले। यह नवी शिरांशु जारी थी। जारी समाज बुधवार उड़े बधाई दी। इस दौरान उन्होंने पूरे के संपन्न कार्यक्रमों एवं आमारी कार्यक्रमों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। साथ ही तीन मह का कार्यक्रम प्रतिवेदन (रिपोर्ट) भी सौंपा। मौके पर मूरब शेखर भी मौजूद थे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी आज से संथाल प्रवास पर

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 23 से 26 नवंबर तक चार दिवसीय संथाल परगान प्रवास पर रहेंगे। प्रदेश भीड़िया प्रभारी शिवपुरजन पाटका ने बताया कि 23 नवंबर को प्रदेश अध्यक्ष रांची से सङ्कर मार्ग द्वारा दुपुका के लिए प्रस्तुत करेंगे। 24 नवंबर को पायुक जिला में विधिनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। रैली का शुभाभ शहीद स्थल भूमि परगान प्रवासी एवं आमारी नियुक्त तथा 26 नवंबर को साहेबगंज के थोरियाएं पहाड़ होते हुए बहरवा में संपन्न होंगे। श्री मरांडी के स्वागत की भव्य तयारी की जा रही है।

जमशेदपुर उपायुक्त मंजूनाथ भजंगी के खिलाफ

पीड़िक कार्रवाई पर रोक 20 दिसंबर तक बरकरार

रांची। अगस्त 2022 में सांसद मिशिकात दुपो को लैन से दिल्ली जाने के क्रम में देवरपर में रोको के खिलाफ दिल्ली में जीरो एपआरआर दर्ज को निरस्त करने को लेकर देवरपर के तकालीन उपायुक्त मंजूनाथ (वर्मान) में उपायुक्त जमशेदपुर (जी) की आयिका की अशिक सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार एवं प्रतिवादी नियिकात दुपो को जावाद दाखिल करने के लिए दो सासांग करेंगे। 24 नवंबर को पायुक जिला में विधिनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। रैली का शुभाभ शहीद स्थल भूमि परगान प्रवासी एवं आमारी नियुक्त तथा अदालत ने 26 नवंबर को साहेबगंज के थोरियाएं पहाड़ रोक दिया। कोर्ट ने प्राप्ती मंजूनाथ के लिए दो सासांग करेंगे।

जमशेदपुर उपायुक्त मंजूनाथ भजंगी के खिलाफ

पीड़िक कार्रवाई पर रोक 20 दिसंबर तक बरकरार

रांची। अगस्त 2022 में सांसद मिशिकात दुपो को लैन से दिल्ली जाने के क्रम में देवरपर में रोको के खिलाफ दिल्ली में जीरो एपआरआर दर्ज को निरस्त करने को लेकर देवरपर के तकालीन उपायुक्त मंजूनाथ (वर्मान) में उपायुक्त जमशेदपुर (जी) की आयिका की अशिक सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार एवं प्रतिवादी नियिकात दुपो को जावाद दाखिल करने के लिए दो सासांग करेंगे। 24 नवंबर को पायुक जिला में विधिनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। रैली का शुभाभ शहीद स्थल भूमि परगान प्रवासी एवं आमारी नियुक्त तथा अदालत ने 26 नवंबर को साहेबगंज के थोरियाएं पहाड़ रोक दिया। कोर्ट ने प्राप्ती मंजूनाथ के लिए दो सासांग करेंगे।

जमशेदपुर उपायुक्त मंजूनाथ भजंगी के खिलाफ

पीड़िक कार्रवाई पर रोक 20 दिसंबर तक बरकरार

रांची। अगस्त 2022 में सांसद मिशिकात दुपो को लैन से दिल्ली जाने के क्रम में देवरपर में रोको के खिलाफ दिल्ली में जीरो एपआरआर दर्ज को निरस्त करने को लेकर देवरपर के तकालीन उपायुक्त मंजूनाथ (वर्मान) में उपायुक्त जमशेदपुर (जी) की आयिका की अशिक सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार एवं प्रतिवादी नियिकात दुपो को जावाद दाखिल करने के लिए दो सासांग करेंगे। 24 नवंबर को पायुक जिला में विधिनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। रैली का शुभाभ शहीद स्थल भूमि परगान प्रवासी एवं आमारी नियुक्त तथा अदालत ने 26 नवंबर को साहेबगंज के थोरियाएं पहाड़ रोक दिया। कोर्ट ने प्राप्ती मंजूनाथ के लिए दो सासांग करेंगे।

जमशेदपुर उपायुक्त मंजूनाथ भजंगी के खिलाफ

पीड़िक कार्रवाई पर रोक 20 दिसंबर तक बरकरार

रांची। अगस्त 2022 में सांसद मिशिकात दुपो को लैन से दिल्ली जाने के क्रम में देवरपर में रोको के खिलाफ दिल्ली में जीरो एपआरआर दर्ज को निरस्त करने को लेकर देवरपर के तकालीन उपायुक्त मंजूनाथ (वर्मान) में उपायुक्त जमशेदपुर (जी) की आयिका की अशिक सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार एवं प्रतिवादी नियिकात दुपो को जावाद दाखिल करने के लिए दो सासांग करेंगे। 24 नवंबर को पायुक जिला में विधिनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। रैली का शुभाभ शहीद स्थल भूमि परगान प्रवासी एवं आमारी नियुक्त तथा अदालत ने 26 नवंबर को साहेबगंज के थोरियाएं पहाड़ रोक दिया। कोर्ट ने प्राप्ती मंजूनाथ के लिए दो सासांग करेंगे।

जमशेदपुर उपायुक्त मंजूनाथ भजंगी के खिलाफ</

आत्मनिर्भर भारत

दे श में रोफेल के नेवी में भी नैतीश के लिये खरीदारी की सोच के बाद अब कोशिश होनी चाहिए कि सेना की जस्तरों का अधिकार समान देश में निर्मित किया जाये। यह प्रयास न केवल रोजगार के नये अवसर कविसित करेगा, बल्कि विदेशी मुद्रा की बचत से बजट घटाए की मक्क कर सकेगा। दरअसल, ब्रिटिश काल में भारतीय मेंदा, कारोबार व संसाधनों का दोहन करके देश के मनोबल को निराया गया। एक समय था कि भविष्य की चुनौतियों के महसूस करते हुए छरपति शिवाजी ने नैसेना का निर्माण किया था। यही वजह है कि अब जब ब्रिटिश सत्ता की छाया वाले नैसेना व्यञ्ज को बदला गया तो नये व्यञ्ज में खाजांजी को प्रतिष्ठा नी गई है। बिंडवान ही है कि देश के जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आजादी के सात दशक बाद भी परतनत के प्रतीक बने रहे हैं। देश में 15 अगस्त पर लाल किले से स्वदेशी तोप से सलामी दिया जाना था या राजपथ पर नैतीश नैसेना सुधार के बाद विदेशी प्रतिक्रिया का सवाल हमारी स्टेप्सी प्रतिक्रिया के हमारे देश का मनोबल बढ़ाता है। बहराहाल, ऐसे समय में जब पड़ोसी देशों द्वारा भारतीय संभ्रहता को चुनौती दी जा रही है, हमें रक्षा उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को प्राथमिकता देनी होगी। तभी हम सैन्य उपकरणों के सबसे बड़े आत्मवक्त से निर्यातक बन सकेंगे। आईएनएस विक्रान्त के राष्ट्र के समर्पण के समय नैसेना ने महत्वपूर्ण घोषणा की है कि नैसेना की सभी सांख्यिक मिलिअंडों के लिये खोली जायेंगी। यारी अब नैसेना की ताकत में नैरी शक्ति की विशेष वेगदान रहता है। सारांश की गहन शक्ति के साथ महिला का बेहरासामंजस्य। हालांकार भी थाल व नैसेना के मुकाबले नैसेना में महिलाओं का प्रतिष्ठान ज्यादा है, लैंबन अब उसमें और अधिक वृद्धि होगी। देश की आत्मनिर्भरता विश्व में बढ़ती धमक का चिन्ह है।

मानवाधिकार और पाक

पा क में 1947 में अल्पसंख्यक की आवादी हिन्दुओं सहित 23 फीसदी थी, आज 3 फीसदी से भी कम है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के बड़े हालात पर दुनिया को सच्चाई से अवगत करने की कोशिश भारत लगातार कर रहा है। कश्मीर में आतंकवाद का प्रायोजक पकिस्तान ही है। पिछ्ले चालीस साल से पाकिस्तान कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देकर भारत के खिलाफ छठ बुद्ध लड़ रहा है। ऐसे में सुनुक राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में पाकिस्तान का कश्मीर मुद्दा उठाना भारत के खिलाफ तुप्पचार है। आतंकवाद के पानाहगार और पोषक पकिस्तान अब किसी को आतंकवाद पर लेंकर दे, तो वह हस्तायक हो जाए। पूरा विश्व जानता है कि पाकिस्तान कश्मीरी नीति पर यह खुलूक कर रहा है। और इन्हें पाक खुपिया एजेंसी आईएसआई का संरक्षण प्राप्त है। ग्लोबल ट्रेसिंग और सामान बिन लाइन पाक के सैन्य एरिया से मिला था। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका द्वारा ग्लोबल ट्रेसिंग घोषित कई आतंकी आज भी पाक में रह रहे हैं। आतंकवाद को फिल्डिंग के चलते पाक की परिस्थितिक संरक्षण एफएटीएफ (फाइंडिंग) एवं एस्ट्राक्ट टास्क फोर्स) ने भी लिप्त में डाल रखा है। आतंकवाद को अस्थान देने के चलते ही पाकिस्तान पूरी दुनिया में अलग-थलग है। मानवाधिकार संरक्षण मालिनी में भी पाक रही है। परिषद के अधिकारों के संसंक्षण करने में नाकाम रहा है। अकानिस्तान के 20 लाख लोगों को पाकिस्तान जबरन बाहर कर रहा है यह कहन का न्याय है।

अध्यात्म की सीढ़ी

धर्म-प्रवाह

स्वामी सत्यानन्दजी परमहंस

राजा विश्वरथ ने महर्षि वसिष्ठ से कहा कि अप इस कामाने न रब भूता यों को मुझे दे दें। ऐसी दुर्लभ धूम नैरु राजा के पास ही होने की योग्य है। मर्मिंशसिष्ठ ने कहा राजा मेरी जो वस्तु है सभी अपाकृत संसार में हो गया। विश्वरथ ने एसा प्रयास किया कामधेनु ने हुक्कर लिया और सैनिक निर गये और अहमियत सहित अपने अल्पसंख्यकों के अधिकारों का संसंक्षण करने में नाकाम रहा है। अकानिस्तान के 20 लाख लोगों को पाकिस्तान जबरन बाहर कर रहा है यह कहन का न्याय है।

f जहाँ एक ओर पूरे देश में अन्य सरकारों पक्षी सरकारी नैकरियों खत्म करके कच्चे कर्मचारी भर्ती कर रही हैं, वही हमने दिल्ली नगर निगम के हजारों कर्मचारियों को पक्षी कर दिया यारी उहें अस्थारी कर्मचारी से नियमित कर्मचारी कर दिया। - अरविंद केरीबाल

s सत्ता शीर्षी के संरक्षण में लोहा, कोयला, बालू, पद्धति आदि संसाधनों की लूट ही अब कारोबार बन गया है और साफ - सुधार कारोबार करनेवाले लोग अपराधियों के रहमोरपर मर हैं। जनक्रोश बढ़ रहा है, सब याद रखा जाएगा, सबका हिसाब होगा। - अनन्पूर्णा देवी

r रोचक देवी देवी नरेन्द्र मोदी

हमने सरकार में एक नया वर्क करना लाने का ईमानदारी से प्रयास किया है, ताकि देश की संपत्ति और संसाधन बर्बाद न हों, प्रोफेशनलिंग और एफिसेंसी हो।

कॉटन वर्ल्ड

टिप्पट की अनियन्त्रित भाषा



लैटर टू एडिटर

यूएसए में हिंदी

हिंदी प्रवासी भारतीयों की अस्थिति है। अमेरिका के हर शहर के वातावरण को हिंदीय बनाने के साहित्यकार विश्वविद्यालयों में जाकर युवा पीढ़ी है। इस दिशा में यदि हम आपे बढ़ते हैं तो करोड़ों लोगों का रोजगार तो से संवाद स्थापित करते हैं और इसकी समझदारी हो जाती है। अमेरिका के भारी विद्युत बढ़ते हैं। अमेरिका के बढ़ते हैं। बढ़ते हैं। देश में भी ऐसे प्रयास होते हैं।

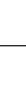
- अभिजित, गढ़वा

आत्मनिर्भर भारत

अब प्रधानमंत्री नंदेंद मोदी ने खिलाफों के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने का आहान किया है। इस दिशा में यदि हम आपे बढ़ते हैं तो करोड़ों लोगों का रोजगार तो से संवाद स्थापित करते हैं और इसकी समझदारी हो जाती है। अमेरिका के बढ़ते हैं। अमेरिका के बढ़ते हैं। बढ़ते हैं। देश में भी ऐसे प्रयास होते हैं।

- विवेक, हजारीबाग

अभियान



एक ऐसे दौर में जब लोकतंत्र से आगे का खुलापन बाजार के हिस्से है, तो भाषा और संस्कृति भी नए सिरे से परिभाषित हो रही है। इस बदलाव में बड़ी भूमिका निभा रही है सूचना क्रांति का बाहक बनाकर आई तकनीक, जो रोज अपेंट हो रही है, यूजर फ्रेंड्सी हो रही है।

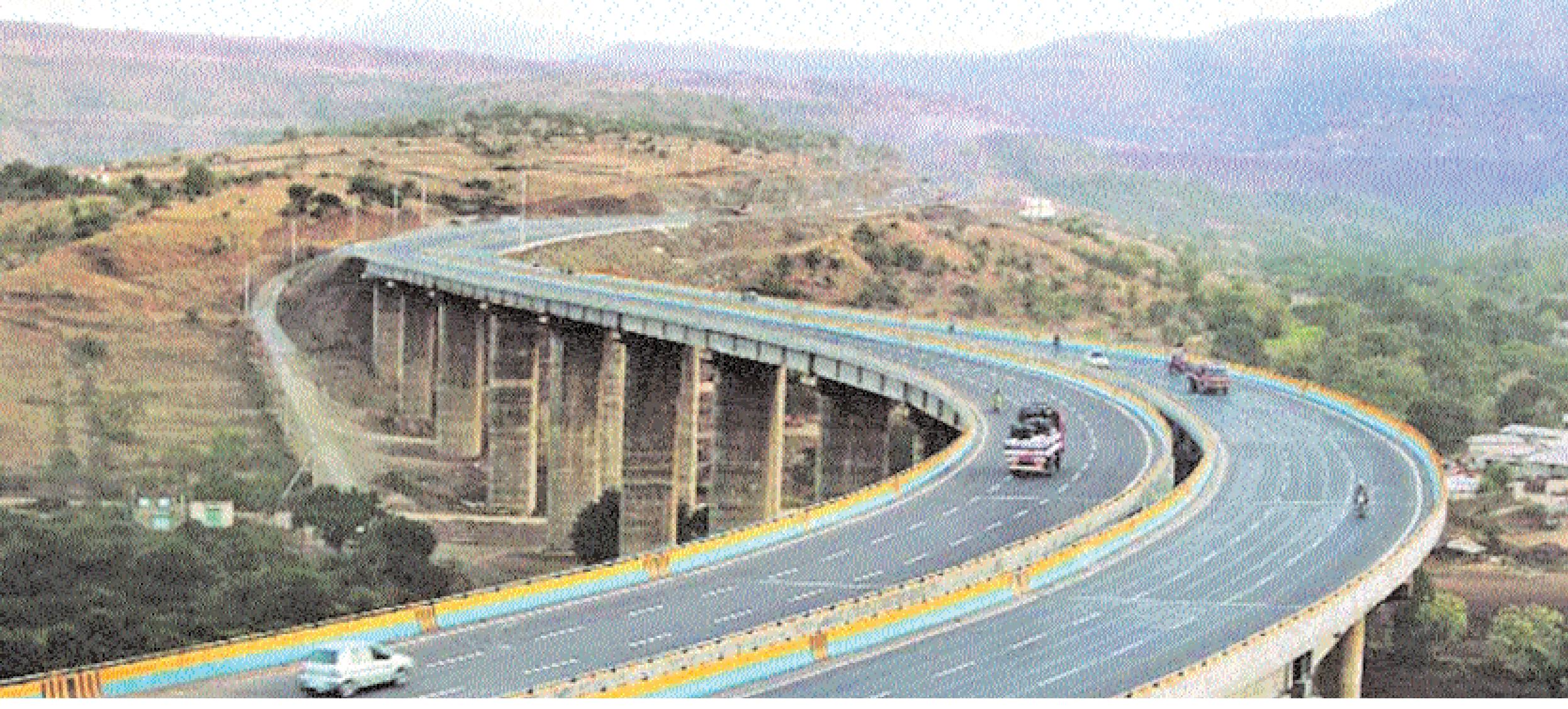
हिंदी भारत की ऐसी भाषा है जिसका न सिर्फ प्रसार भौगोलिक सीमाओं से आगे जाता है बल्कि इसमें तारीखी तौर पर हिंदी जनमानस में द्वानवजामण्ड़ के संबंधित राष्ट्रवादी और इसमें ग्रामीण राष्ट्रवादी जनमानस का बाजार होगा यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन एक समय उनके उपरांत करने के चलते लोग अच्छी शिक्षा और चिकित्सा के लिए दूसरी देशों में दोबारा इंडिया हो रही है, और रोज अपेंट करने के लिए दूसरी देशों में दोबारा आजादी के लिए दूसरी देशों में दोबारा आजादी हो रही है। इस अभियान का बाजार होगा यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन एक समय उनके उपरांत करने के चलते लोग अच्छी शिक्षा और चिकित्सा के लिए दूसरी देशों में दोबारा आजादी हो रही है। इस अभियान की बाजारी होगी यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन एक समय उनके उपरांत करने के चलते लोग अच्छी शिक्षा और चिकित्सा के लिए दूसरी देशों में दोबारा आजादी हो रही है।

कई मीडिया संस्थाओं और कारोबारी गतिविधियों से जुड़ी कम्पनिकेन ग्रुप यूरोपेरेट अपने भाषणों में अक्सर बाल रहता देखने को मिलता है। यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन भाषणों का रुख अपने भाषणों में नहीं हो सकता है। सबाल कई बार लिंगिंग के लिए दूसरी देशों में दोबारा आजादी हो रही है। इस अभियान का बाजार होगा यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन भाषणों का रुख अपने भाषणों में नहीं हो सकता है। इस अभियान का बाजार होगा यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन भाषणों का रुख अपने भाषणों में नहीं हो सकता है। इस अभियान का बाजार होगा यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन भाषणों का रुख अपने भाषणों में नहीं हो सकता है।

हिंदी भारत की ऐसी भाषा है जिसका न सिर्फ प्रसार भौगोलिक सीमाओं से आगे जाता है बल्कि इसमें तारीखी तौर पर हिंदी जनमानस में द्वानवजामण्ड़ के संबंधित राष्ट्रवादी और इसमें ग्रामीण राष्ट्रवादी जनमानस का बाजार होगा यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन एक समय उनके उपरांत करने के चलते लोग अच्छी शिक्षा और चिकित्सा के लिए दूसरी देशों में दोबारा आजादी हो रही है। इस अभियान की बाजारी होगी यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन एक समय उनके उपरांत करने के चलते लोग अच्छी शिक्षा और चिकित्सा के लिए दूसरी देशों में दोबारा आजादी हो रही है।

नायडू की तरह बेहाल होंगे नीतीश ?





भारतीय कॉपोरेट जगत: छोटे कारोबारियों की दस्तक

हाल के वर्षों में शेयर बाजार में सबसे बेहतर प्रतिफल लाज कैपशेयरों से नहीं बल्कि मिड कैप और स्मॉल कैप सूचीबद्ध कंपनियों से आया है।

टी एन नाइन

भारत में याच घटित हो रहा है यह समझना कभी भी आसान नहीं रहा है क्योंकि यह हमेशा विरोधाभासी कथनक मौजूद रहते हैं। एक कहानी यह है कि भारतीय कारोबार तेजी से ऐसी रिप्पुल में पहुंच रहे हैं जहां कुछ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

स्टील हो या सीमेंट, विमानन या वाहन, दूरसंचार या बैंकिंग, संगठित खुदरा कारोबार या मीडिया, बंदरगाह या हवाई अड़डे, इन सभी में छोटे कारोबारियों को या तो खरीद लिया जा रहा है (खुदरा क्षेत्र में मेट्रो और प्लूचर, हवाई अड़डे के जैविक, बंदरगाहों में कृष्णपत्तनम के साथ यही हुआ), या फिर वे बंदे हो जाते हैं (विमानन में किंगफिशर, जेट एयर और गो एयर), या एकदम हाशिये पर चले जाते हैं (कई सरकारी बैंक, दूरसंचार क्षेत्र में कीआई) या बाजार से बाहर हो जाते हैं जैसे कि फोर्ड और जीएम।

इसके अलावा पोर्टफोलियो प्रबंधन कंपनी मार्सेलस के डेटा विशेषण के मुताबिक भारतीय कॉपोरेट जगत के 46 फीसदी मुनाफे में केवल 20 कंपनियां हिस्सेदार हैं। एक दशक से दूसरे दशक के बीच शीर्ष 20 कंपनियों में कोई खास परिवर्तन नहीं आया।

यदि कंपनियां इससे बाहर भी हुईं तो ज्यादातर मामलों में सरकारी कंपनियां थीं। अगर केवल शीर्ष निजी कंपनियों को ही मिना जाए तो करीब 15 कंपनियां सबसे अधिक मुनाफे वाली रही हैं और परिभाषा के मुताबिक वे दो दशक यानी 2002 से 2022 के बीच उनका दबदबा लगातार बढ़ा है।

इससे पहले के दशकों में शीर्ष स्तर पर ऐसी रिप्पुल देखने को नहीं मिली थीं निश्चित तौर पर सन 1992 से 2002 के दशक में कारोबारी जगत में हलचल देखने को मिली क्योंकि अर्थक सुधारों की वजह से देश में कारोबारों के परिचालन का माहौल बदला गया।

शीर्ष स्तर पर व्यापक नई प्रिंथरता से यही सुझाव मिलता है कि अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा कम हुई या शायद इसमें परिवर्तन का दौर सीमित हुआ और हलचल के दशक में विजेता बनकर उभरी कंपनियां बाद के दौर में भी अव्वल बनी रहीं।

इस निष्कर्ष को इस आंकड़े से भी बल मिलता है कि शीर्ष 20 कंपनियों में केवल सूचीबद्ध कंपनियों शामिल हैं जबकि कई अन्य महत्वपूर्ण कारोबार जिनमें अधिकांश विदेशी स्वामित्व वाले हैं वे गैरसूचीबद्ध रहे हैं-हुड़े और कोका-कोला, सैमसंग और बॉश आदि ऐसी ही कंपनियां रहीं, हालांकि इनमें से कई अब बाजार में अच्छी पहुंच बना चुकी हैं।

चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की इस कहानी का विपरीत कथनक यह है कि हाल के वर्षों में शेयर बाजार में सबसे बेहतर प्रतिफल लाज कैपशेयरों से नहीं बल्कि मिड कैप और स्मॉल कैप सूचीबद्ध कंपनियों से आया है। इनमें से

अधिकांश का नाम भी जाना-पहचाना नहीं है। यह बात समाप्त हो रहे संवत वर्ष और पिछले औसतन पांच संवत वर्षों के लिए भी सही रहा है।

जीडीपी के हिस्से के रूप में मुनाफा अभी भी 2008 के स्तर पर वापस नहीं आया है। इस बात को समझा जा सकता है क्योंकि उस दौर से अब तक की आर्थिक गति में अंतर रहा है।

बैंकों में नकदी और कर्ज के कम स्तर को देखते हुए बड़े कारोबारी अपनी वृद्धि के साथ चौटे कंपनियों के लिए माहील और कटिन हो गया। पांच बात यह अर्थ नहीं कि छोटी कंपनियों को मुताबिक तो उसका यह अर्थ नहीं कि छोटी कंपनियों का प्रदर्शन खराब होगा। व्यापक कारोबारी जगत में जीवंत बरकरार है।

इसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का प्रतिफल प्रभावित हुआ है। चक्रवृद्धि वार्षिक औसत के रूप में शेयर धारकों का प्रतिफल 2002-12 के दशक के 26 फीसदी से घटकर अगले दशक में 15 फीसदी रह गया। यह रुद्धान चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की कहानी के साथ प्रभावशाली कारोबारी अधिकांश क्षेत्रों पर दबदबा कायम कर रहे हैं और एक तरह का अर्थक केंद्रीकरण हो रहा है।

जिसका एक असान स्पष्टीकरण यह होगा कि 2012-22 के दशक में अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से विकसित हुई: ऐसे में शेयरधारकों का

स्पीड न्यूज

ओपी लाल की तीकरी पुण्यतिथि नगायी गयी
चिरकुडा। चिरकुडा के तालडागा हातुरिंग कालोनी स्थित
राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ के अध्यक्ष सरेश दश ज्ञा के
आवासीय कार्यालय में संघ के पूर्व कार्यकरी अध्यक्ष एकत्र
बिहार के मौते रहे ख्याल मालायाण कर श्रद्धासुमन
अर्पित किए। श्री ज्ञा ने संघ के उपस्थित पदाधिकारियों को
उनके संघर्षपूर्ण जीवनी के विषय में बताया और कहा कि
हमलोगों का उनके जीवन से सोख लेने चाहिए।

किशोरी को न्याय दिलाने को कैंडल मार्च

चंदवा। चंदवा में एक नवालिंग किशोरी के संदेहास्पद स्थित
हुई मौत मामले में पीड़िता को न्याय दिलाने को लेकर
बुधवार की दूर शाम चंदवा में फैल मार्च गया। श्रद्धा
बाजार होते सुभाष चौक पहुंचा। वहां ब्राह्मजिल अपैत की
गयी। मार्च में शामिल सैकड़ों लोग तरहीयों लेकर प्रश्नसन
से पीड़िता को न्याय देने, अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी
की मांग की। मार्च में सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष
युवा आ किशोरी शामिल थे।

सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम 24 से

लोहरदगा। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वारा
कार्यक्रम लोहरदगा जिला के नप क्षेत्र में 24 नवंबर से 26
दिसंबर 2023 तक होगा। जिसमें 24 की नगर भवन,
लोहरदगा में वार्ड 03, 04, 05 एवं 06 के लिए, 30 की मैना
बागीया में वार्ड 07 एवं 08 के लिए, 04 दिसंबर को मैरेज
हॉल खाद्यागांडा में वार्ड 09, 14 एवं 15 के लिए, 09 की वार्ड
विकास केंद्र इन्हीं की ओक में वार्ड 01, 02, 10 एवं 11 के लिए,
14 की उस्से मैदान रित्त स्कूल में वार्ड 12 एवं 17 के लिए,
18 की नगर परिषद कार्यालय, सभागांडा में वार्ड 13 एवं 16
के लिए, 22 की विकास केंद्र, नवाडीपांडा में वार्ड 18, 19
एवं 20 के लिए और 26 की वार्ड विकास केंद्र मध्यूबन में
वार्ड 21, 22 एवं 23 के लिए कार्यक्रम होगा। उक्त सभी स्थानों
पर शिविर का आयोजन 11 बजे पूर्वाह्न से किया गया है।

कृषक मित्र के निधन पर जताया शोक

कैरो। प्रद्युम क्षेत्र के टाटी निवासी कृषक मित्र सह समाजसेवी
बुधवार उत्तरां (70) की लीडी बीमारी के बाद निन्दन हो गया।
बुधवार के निधन पर प्रद्युम कृषक मित्र संघ ने शोक जताया
है। वे कृषक मित्र हुए हो क्षेत्र के किसानों की जीवी वितरण,
कैसीसी आवेदन, ऋण माफी, सरकारी आयोजन व किसान
मेला में किसानों को ले जान जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किये,
जिससे क्षेत्र में लोगों के बीच प्रभाव के साथ रहे। बुधवार के
निधन पर लीडीओ पुनरुम्भासी कुमार महोनी, सीओ कमलेश उत्तरां,
बीएओ राजीव युसु, कृषक मित्र राजनारायण सिंह, फुलमनी
उत्तरां, मृत्युंजय तिवारी, अनंश अहमद, शमीन असारी,
समयल असारी, रामनाथ उत्तरां, प्रतिमा देवी ने शोक जताया।

अनुत्त वृक्ष आंवला का पूजन कर ननाया गया वृक्ष दिवस

बोकारो। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा अमृत
वृक्ष आंवला की पूजा अर्चना कर सेक्टर 3-ई स्थित भास्कर
निवास में वृक्ष पूजन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर
संस्थान के महासचिव शशी भूमध्य ओडियो मुकुल ने कहा कि
भारतीय संस्कृत में वृक्षों को देवता के रूप में माना जाता
है। वृक्ष आंवसीजन जड़ी बूटियों सहित छाया फल-फूल
प्रदान कर हमारे जीवन की रक्षा करते हैं।

दो पक्ष में मारपीट, थाना में मामला दर्ज

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के खोरा गांव में सोमवार की रात
दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसमें कई लोगों को खोट
लगी है। लोगों ने घटना की जाकारी गुमला थाना को दी।
थाना प्राप्तिवारी ने खोट कुमार गांव पहुंच मामले को शोतंकरा
और घायलों को अपत्ताल भेजा। जो दोनों पक्ष के लोग सदर
अस्पताल आये और मारपीट को लेकर थाना में प्राथमिकी
की दर्ज करायी। वहीं पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

घाघरा में पूर्व मुख्य सचिव आर एस

शर्मा का डीसी-डीडीसी ने किया स्वागत
घाघरा। झारखंड सरकार के पूर्व मुख्य सचिव खंड द्वाई के
झारखंडर आरएस शर्मा के विशुनुप्र प्रखड़ जाने के क्रम में
घाघरा लॉक के समीप बुधवार का अधिकारियों ने उत्का
स्वागत किया। इस क्रम में जेसोली कृषकों के कार्यपालक
अधिकारी, गुमला डीसी कर्पन सार्थकी, डीडीओ निवास तसीती,
प्रखड़ प्रमुख सचिव देवी, बीडीओ दिनश नुजाने ने बुके देकर
पूर्व मुख्य सचिव का स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम के
उपरांत पूर्व मुख्य सचिव आर एस शर्मा के साथ जिला के
उपायुक्त, उपविकास आयुक्त विशुनुप्र कार्यक्रम के लिए
रवाना हो गये। मौके पर कृष्णा लोहरा, उप मुख्यमंत्री विनीता
कुमारी, संजय पांडे, अरुण साहू समेत कर्मी उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ जिला

गुमला कार्य समिति की बैठक संपन्न
घाघरा। आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ जिला गुमला कार्य समिति
की बैठक बुधवार को घाघरा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में हुई।
बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ममतां देवी ने की। बैठक में
प्रदेश अध्यक्ष रीमा देवी, प्रदेश संगठन मंत्री रामचंद्र गोप
उपस्थित हुए। बैठक की शुरुआत श्रीमिती गीत एवं भारत
माता जय नारायण के नामांगन से हुई।

वृक्षारोपण और चेकडैम निर्माण में घपले
की जांच की मांग को लेकर धरना 28 को

गुमला। भाकपा (माले) रेड स्टार के जिला सचिव सह संघ
वगाओं अधिकारी मन्त्री सोसाइटी के लोहरदगा-गुमला बन प्रमडल के
सदस्य प्रकाश उत्तरां ने गुमला बन प्रमडल पराधिकारी को
मांग-पत्र सौंपकर खींच वर्ष मुख्यमंत्री रामचंद्र गोप
उपस्थित हुए। बैठक की शुरुआत श्रीमिती गीत एवं भारत
माता जय नारायण के नामांगन से हुई।

37वां जमशेदपुर पुस्तक मेला कल से

जमशेदपुर। 37वां जमशेदपुर पुस्तक मेला 24 नवंबर से 3 दिसंबर
तक टैगोर लोसाईटी जमशेदपुर के तालवाहन में रांझन भवन
संकारी में होगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद संघर्ष की जीवनी के बारे में बताया जायेगा।

संवाद सं

